हिन्दी दैनिक
पथ प्रवाह
RNI No.: UTTHIN/2011/39282
निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह
वर्ष:5 अंक:58 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये
pathpravah.com
हरिद्वार, बुधवार, 04 मार्च 2026

होली की शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने की तैयारियों की समीक्षा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन सतर्क

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित उत्तराखण्ड भ्रमण कार्यक्रम को लेकर राज्य सरकार ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंगलवार को हरिद्वार पहुंचे और बैरागी कैंप स्थित कार्यक्रम स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पार्किंग स्थल, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता एवं यातायात प्रबंधन सहित सभी बिंदुओं पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रम की प्रत्येक व्यवस्था सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री का उत्तराखण्ड आगमन राज्य के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। ऐसे में आयोजन की गरिमा और अनुशासन बनाए रखना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। यातायात प्रबंधन को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। आमजनमानस को असुविधा से बचाने के लिए विस्तृत ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चिकित्सा सुविधा, आपातकालीन सेवाओं एवं अग्निशमन व्यवस्था को पूर्णतः सक्रिय रखने पर भी बल दिया। निरीक्षण के दौरान गढ़वाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डे एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कार्यक्रम की तैयारियों की प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग प्रबंधन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, जिला पंचायत अध्यक्ष किरन चौधरी, मेयर हरिद्वार किरन जैसल, विधायक मदन कौशिक, आदेश चौहान, प्रदीप बत्रा, दायित्वधारी राज्य मंत्री अजीत चौधरी, जयपाल सिंह चौहान, देशराज कर्णवाल, शोभाराम प्रजापति, प्रदेश महासचिव अनिल गोयल, प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजय कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक गढ़वाल राजीव स्वरूप, एडीजी अजय प्रकाश अंशुमन, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, एमडी सिडकुल सौरव गहरवार, पुलिस अधीक्षक अभिसूचना मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी ललित नारायण मिश्रा, अपर जिलाधिकारी पीआर चौहान, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, सचिव एचआरडीए मनीष कुमार, उपजिलाधिकारी जितेन्द्र कुमार, एसपी सिटी अभयप्रताप सिंह, सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहें। विदित हो उत्तराखंड में भाजपा सरकार के चार साल पूरे होने पर गृह मंत्री अमित शाह 7 मार्च को हरिद्वार के बैरागी कैंप पहुंचेंगे। सरकार की चार साल की उपलब्धियों को जनता को बतायेंगे। इसी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी विभागों को समन्वित प्रयासों के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में पारदर्शिता, अनुशासन और सुचारू संचालन सर्वोपरि रहेगा।

एक नजर

पश्चिम एशिया घटनाक्रम पर भारत ने जतायी चिंता, बातचीत से जल्द समाधान पर दिया जोर

नयी दिल्ली। पश्चिम एशिया में स्थिति के निरंतर बिगड़ने और बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने के मद्देनजर भारत ने सभी संबद्ध पक्षों से बातचीत और कूटनीति से समस्या का जल्द समाधान निकालने का एक बार फिर आह्वान किया है। भारत ने कहा है कि निकट पड़ोसी होने के नाते क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता से उसके महत्वपूर्ण हित जुड़े हुए हैं , इस वजह से भी वहां का घटनाक्रम बड़ी चिंता का विषय है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने मंगलवार को ताजा स्थिति पर वक्तव्य जारी करते हुए कहा कि पश्चिम एशियाई देशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों की मौजूदगी और उस क्षेत्र से भारत के आर्थिक हितों के जुड़े होने से इन हालातों को नजरंदाज नहीं किया जा सकता। वक्तव्य में कहा गया है कि हाल के दिनों में इस संघर्ष में तेजी आयी है और इसका अन्य देशों तक विस्तार हुआ है। इससे विनाश और जनहानि बढ़ी है तथा सामान्य जीवन और आर्थिक गतिविधियां ठप हो गई हैं। भारत का मानना है कि क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता में महत्वपूर्ण हित रखने वाले निकटवर्ती पड़ोसी के रूप में ये घटनाक्रम गहरी चिंता उत्पन्न करते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि इस पृष्ठभूमि में भारत समस्या के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति का अपना आह्वान दृढ़ता से दोहराता है। उन्होंने कहा,' हम संघर्ष की शीघ्र समाप्ति के पक्ष में स्पष्ट रूप से अपनी आवाज उठाते हैं। पहले ही अनेक बहुमूल्य जीवन दुखद रूप से नष्ट हो चुके हैं और इस संबंध में हम गहरा शोक व्यक्त करते हैं। खाड़ी क्षेत्रों में लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिकों की मौजूदगी का उल्लेख करते हुए प्रवक्ता ने उनकी सुरक्षा और कल्याण को भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। भारत ने साफ कहा है कि वह अपने नागरिकों के हितों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले किसी भी घटनाक्रम के प्रति उदासीन नहीं रह सकता। भारत के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाएँ भी इसी भौगोलिक क्षेत्र से होकर गुजरती हैं और किसी भी बड़े व्यवधान के भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम होते हैं। प्रवक्ता ने कहा है कि वैश्विक कार्यबल में महत्वपूर्ण भागीदारी वाले देश के रूप में भारत व्यापारिक जहाजों पर हमलों का दृढ़ता से विरोध करता है। पिछले कुछ दिनों में ऐसे हमलों के परिणामस्वरूप कुछ भारतीय नागरिकों की मृत्यु हुई है या वे लापता हैं। वक्तव्य में कहा गया है कि प्रभावित देशों में स्थित भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावास भारतीय नागरिकों और सामुदायिक संगठनों के साथ निरंतर संपर्क में हैं तथा आवश्यकता अनुसार नियमित परामर्श जारी कर रहे हैं। संघर्ष के कारण फंसे हुए लोगों को हर संभव सहायता भी प्रदान की गई है। दूतावास और वाणिज्य दूतावास इस संघर्ष से संबंधित विभिन्न वाणिज्यिक एवं कांसुलर मामलों के समाधान में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस क्षेत्र की सरकारों तथा अन्य प्रमुख साझेदारों के साथ संपर्क में हैं। प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने अपने समकक्षों के साथ इस विषय पर चर्चा की है। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर बदल रही स्थिति पर निकट दृष्टि बनाए रखेगी और राष्ट्रीय हित में आवश्यक निर्णय लेती रहेगी। उल्लेखनीय है कि भारत ने ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष के आरंभ होने पर 28 फरवरी को गहरी चिंता व्यक्त की थी। उस समय भी भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव बढ़ाने से बचने और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया था। दुर्भाग्यवश, रमज़ान के पवित्र महीने में इस क्षेत्र की स्थिति लगातार और गंभीर रूप से बिगड़ गई है।

भारत के लिए अवसरों के द्वार खुले हैं, गुणवत्ता को अपना महामंत्र बनाएं विनिर्माता: मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय उद्योग जगत को 'गुणवत्ता' अपना महामंत्र बनाने का आह्वान करते हुए मंगलवार को कहा कि दुनिया को आज के दौर में विनिर्माण के कामों के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश है और यह भारत के लिए बड़ा अवसर है।

मोदी ने कहा कि विभिन्न देशों के साथ हाल में किये गये मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से भी भारत के उद्यमियों और निर्यातकों के लिए अवसरों के बहुत बड़ा द्वारा खुला है। उन्होंने कहा कि इसका फायदा गुणवत्तापूर्ण उत्पादों को प्रस्तुत करके ही उठाया जा सकता है। श्री मोदी बजट 2026-27 पर आयोजित दूसरे वेबिनार का उद्घाटन कर रहे थे। दिन भर चलने वाले इस वेबिनार का विषय है- 'आर्थिक वृद्धि को निरंतर संभालना और सशक्त करना' विषय के साथ चार अलग-अलग सत्र होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के उद्योगों को इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए बड़े आत्मविश्वास के साथ कदम उठाने होंगे। नयी प्रौद्योगिकी अपनानी होगी। अनुसंधान पर कंजूसी करने की बजाय निवेश बढ़ाना होगा। गुणवत्ता (क्वालटी) सुधारनी होगी। उन्होंने कहा, 'भारत ने बहुत सारे देशों के साथ एफटीए किये हैं। हमारे लिए अवसरों का बहुत बड़ा द्वार खुला है। ऐसे में हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम क्वालिटी पर कभी भी समझौता न करें। '

उन्होंने कहा, 'आपका एक ही महामंत्र होना चाहिए, क्वालिटी, क्वालिटी और अधिक क्वालिटी।' उन्होंने कहा कि अवसरों का फायदा उद्योग और व्यापार जगत को ही उठाना है। प्रधानमंत्री ने भारतीय विनिर्माताओं से -विश्वस्तर से भी

बेहतर गुणवत्ता प्रस्तत करने का आह्वान करते हुए कहा , 'क्वालिटी समझौता नहीं, इस पर सबसे अधिक समय, साधन और बुद्धि खर्च करनी होगी।' उन्होंने विनिर्माताओं से विश्व बाजार की जरूरतों का अध्ययन और विश्लेषण करने और उसके अनुसार अपनी विनिर्माण क्षमता को तैयार करने का सुझाव दिया।

मोदी ने कहा, 'आज दुनिया विश्वसनीय और विनिर्माण के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश में है। भारत के पास यह अवसर है कि वह इस भूमिका को मजबूती से निभाए। '

आज के वेबिनार में चार अलग-अलग सत्र होंगे। इन सत्रों में प्रथम सत्र विनिर्माण, उद्योगों के स्तर को उन्नत करना और रणनीतिक महत्व के क्षेत्रों पर, दूसरा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों के लिए ऋण और बाजार की सुविधाओं पर, तीसरा नगरों के आर्थिक इलाकों की योजना पर और चौथा सत्र अवसंरचना विकास, लॉजिस्टिक्स और किराया जैसे विषयों पर रखा गया है।

उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री ने बजट में सूक्ष्म , लघु और मझोले उद्यमों, अवसंरचना, बायोफार्म, मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स और कार्बन कैप्चर एवं स्टोरेज के विकास के लिए की गयी पहलों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'दुनिया की अर्थव्यवस्था में एक बड़ा परिवर्तन चल रहा है। बाजार अब केवल लागत नहीं देखते, वे स्वस्थ उपायों को भी देखते हैं। '

मोदी ने विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए केंद्र , राज्य , उद्योग और संस्थानों के बीच पूर्ण तालमेल पर बल देते हुए कहा कि यह लक्ष्य 'साझेदारी ' से ही संभव होगा।

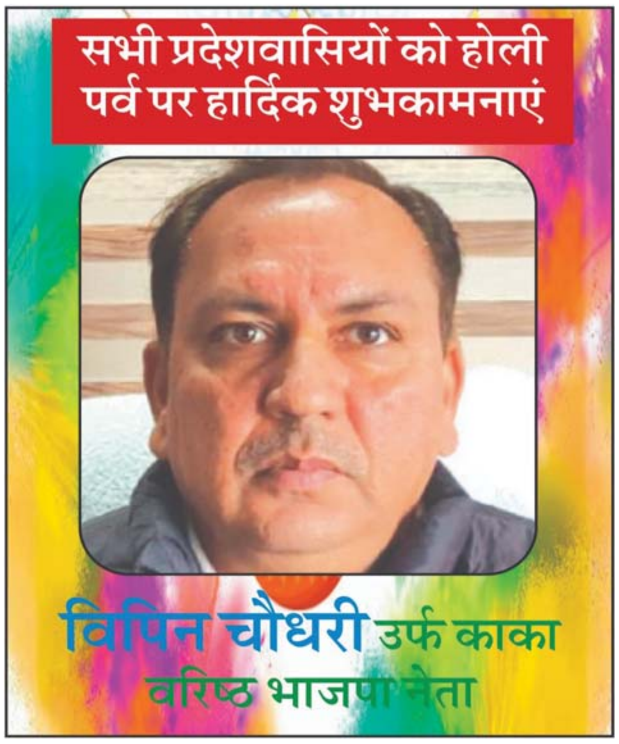

हरिद्वार विधानसभा को मिला 12 हजार लोगों को अमित शाह की रैली में ले जाने का लक्ष्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की प्रस्तावित रैली को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी बांट दी गई है। हरिद्वार के बैरागी कैंप में 7 मार्च को होने वाली इस रैली के लिए हरिद्वार विधानसभा क्षेत्र से 12 हजार कार्यकर्ताओं को रैली में ले जाने का लक्ष्य दिया गया है। हरिद्वार विधानसभा के सभी चारों मंडल के द्वारा आयोजित तैयारी बैठक में नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि हरिद्वार विधानसभा के कार्यकर्ताओं को 12 हजार की संख्या का लक्ष्य दिया गया है। जिसमें चारों मंडलों में रैली के मंडल संयोजक की नियुक्ति कर दी गई है। कनखल मंडल में पूर्व जिला अध्यक्ष संदीप गोयल, सप्त ऋषि मंडल में जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, अंबेडकर मंडल में जिला उपाध्यक्ष तरुण नैयर और मध्य हरिद्वार मंडल में भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी को रैली संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। महापौर किरण जैसल ने कहा कि हरिद्वार नगर निगम के सभी पार्षदों को भी अपने-अपने वार्डों में तैयारी बैठक आयोजित करने को कहा गया है उन्होंने कहा कि हरिद्वार के कार्यकर्ताओं का सौभाग्य है कि देश के गृहमंत्री और भारत के लोकप्रिय नेता अमित शाह का मार्गदर्शन हमको मिलने जा रहा है, इसलिए अधिक से अधिक संख्या में भीड़ जुटाने की आवश्यकता है। पूर्व जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने बताया कि दिनांक 5 मार्च को हरिद्वार विधानसभा के चारों मंडलों के अलग-अलग तैयारी बैठके आयोजित की जाएगी और रैली की तैयारी को अंतिम रूप दिया जाएगा। तैयारी बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष तुषांक भट्ट, किशन बजाज, प्रशांत शर्मा, राजेंद्र कटारिया, पार्षद सुनील अग्रवाल गुड्डू, वरिष्ठ नेता अनिरुद्ध भाटी, मोर्चा मंडल अध्यक्ष विष्णु अग्रवाल, पीएस गिल, पार्षद दीपक शर्मा, ललित रावत, आकाश भाटी, सचिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

पुलिस के समझाने पर भी नहीं माने, 6 के खिलाफ मुकदमा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

थाना भगवानपुर पर दो पक्षों द्वारा आपस में किये जा रहे झगड़े के बाद पुलिस ने हिरासत में लेकर कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक झगडा कर दोनों पक्ष एक दूसरे के साथ मारपीट पर उतारू थे। प्रथम पक्ष अपनी पुत्री को ससुराल ग्राम पुहाना से अपने साथ मेरठ ले जाना चाहते थे तथा द्वितीय ससुराल पक्ष उक्त महिला को प्रथम पक्ष के साथ नहीं भेजना चाहते थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो रहा था। दोनों पक्षों को भगवानपुर पुलिस द्वारा काफी समझाने का प्रयास किया गया परंतु आमदा फसाद रहे तथा मारपीट व झगड़ा पर उतारू हो गये। मौके पर शान्ति भंग होने के अंदेशे से अन्य कोई चारा न देख 06 व्यक्तियों के विरुद्ध अन्तर्गत धारा 170 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लिया गया। आरोपियों के नाम अब्दुल पुत्र अलाउदीन नि0 सांझा कालोनी गली नं0 7 थाना लिसाडी गेट मेरठ उ0प्र0। अजहर पुत्र नौशाद नि0 समर गार्डन 25 फोट रोड थाना लिसाडी गेट मेरठ उ0प्र0। मजहर पुत्र नौशाद नि0 समर गार्डन 25 फोट रोड थाना लिसाडी गेट मेरठ उ0प्र0। इसरार पुत्र अब्दुल रहमान नि0 पुहाना कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार। आजाद पुत्र रकीम नि0 पुहाना कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार। शहजाद पुत्र रफीक नि0 पुहाना कोतवाली भगवानपुर जनपद हरिद्वार है।

डॉ. नरेश चौधरी को लोकभवन में राज्यपाल ने किया सम्मानित

पथ प्रवाह, हरिद्वार। उत्तराखण्ड के राज्यपाल ले.ज.(से.नि.) गुरुमीत सिंह ने लोक भवन में आयोजित तीन दिवसीय बंसतोत्सव 2026 में उत्कृष्ट संचालन एवं संयोजन के लिये ऋषिकुल आयुर्वेद महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. नरेश चौधरी को विशेष रूप से सम्मानित किया।

इस प्रदर्शनी में लाखों दर्शकों ने पुष्प प्रदर्शनी एवं विभिन्न स्थानीय उत्पादों के स्टालों का भ्रमण कर नजदीकी से लोकभवन देखने का सुनहरा अवसर पाया। आयोजन में प्रदर्शनी के अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभाग करने वाले विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

बसंतोत्सव 2026 के उत्कृष्ट संचालन एवं संयोजन के लिए ऋषिकुल आयुर्वेद महाविद्यालय के शरीर रचना विभागाध्यक्ष मेम्बर नेशनल मैनेजिग बॉडी इंडियन रेडक्रास (महामहिम राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली 12 सदस्यीय सर्वोच्च इंडियन रेडक्रास बाडी) डॉ. नरेश चौधरी को उत्तराखण्ड के राज्यपाल ले.ज.(सेनि.) गुरुमीत सिंह ने विशेष रूप से प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। राज्यपाल गुरुमीत सिंह ने डॉ. नरेश चौधरी को सम्मानित करते हुए कहा कि अपने मूल दायित्वों का निर्वहन प्रत्येक व्यक्ति करता है परन्तु जो व्यक्ति अपने मूल कार्यों के साथ-साथ अन्य सामाजिक समर्पित सेवा करता है वह विशेष रूप से सम्मान की श्रेणी में आता है। डॉ. नरेश चौधरी की समर्पित सेवा इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। इस प्रकार समय-समय पर सम्मान प्राप्त करने वाले व्यक्ति को विशेष रूप से जो प्रोत्साहन मिलता है जिससे वह और अधिक समर्पण से कार्य करने के लिए प्रेरित होकर सामाजिक समर्पित सेवा देने के लिए अग्रसर रहता है। बसंतोत्सव 2026 के समापन समारोह में उपस्थित उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, कृषि मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, सविता कपूर ने भी डॉ. नरेश चौधरी को विशेष सम्मान के लिए बधाई दी। उत्तराखण्ड के उद्यान एवं कृषि सचिव डॉ. एस.एन. पाण्डेय ने डॉ. नरेश चौधरी द्वारा विभाग को दिये गये उत्कृष्ट एवं सराहनीय सहयोग के लिए विशेष रूप से प्रशंसा की। उद्यान विभाग के निदेशक एस.एल. सेमवाल ने भी डॉ. नरेश चौधरी को विशेष धन्यवाद देते हुए विभाग की और आभार व्यक्त किया। डॉ. नरेश चौधरी को सम्मानित किये जाने पर राज्यपाल के सचिव रविनाथ रमन, अपर सचिव रीना जोशी, सांस्कृतिक सचिव जुगल किशोर पंत, अपर सचिव आनन्द श्रीवास्तव, निदेशक बागवानी महेन्द्र पाल, अपर निदेशक रतन कुमार, संयुक्त निदेशक सुरेश राम, उप निदेशक नरेन्द्र यादव, उद्यान विभाग से अरुण पाण्डेय, दीपक पुरोहित, योगेश भट्ट, उत्तराखण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. अरुण कुमार त्रिपाठी, कुल सचिव नरेन्द्र सिंह कुरियाल, परिसर निदेशक प्रो. अनूप गक्कड ने भी विशेष रूप से बधाई दी। डॉ. नरेश चौधरी ने सम्मानित होने पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं उद्यान विभाग का विशेष रूप से आभार प्रकट किया।

एक नजर

एसएसपी नवनीत सिंह ने दी जनपदवासियों को होली की बधाई

पथ प्रवाह, हरिद्वार। होली पर्व के अवसर पर एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने जनपदवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस दौरान उन्होंने शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों और हुड़दंग करने वालों पर सख़्त से सख़्त कार्रवाई करने की बात कही। एसएसपी ने जनपद के सभी संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस फ़ोर्स तैनात की है, सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद किया गया है। पुलिस बल को लगातार गश्त एवं सघन चेकिंग अभियान चलाने के सख़्त निर्देश दिये गए हैं। हरिद्वार पुलिस ने अपील की है कि प्रेम, सौहार्द और जिम्मेदारी के साथ सुरक्षित होली का त्योहार मनाएं। किसी भी प्रकार से किसी भी जाति समुदाय के लिए अपशब्द का प्रयोग ना करें। रंगों का त्योहार खुशियों का बने, अव्यवस्था का नहीं। सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाने से बचें, किसी भी प्रकार से पुलिस की आवश्यकता पड़ने पर 112, या नजदीकी थाना /चौकी पर अवश्य संपर्क करें।

हरिद्वार पुलिस ने अवैध रूप से पशु मांस की बिक्री करने वाले को दबोचा

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस की गौकशी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है।

इसी क्रम में रूड़की पुलिस ने एक गौकशी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली रुड़की पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर के द्वारा सूचना दी गई की इमली चौक निकट साजिद टेंट हाउस पास साजिद पुत्र शाहिद निवासी रामपुर कोतवाली गंगानगर जनपद हरिद्वार के द्वारा अवैध रूप से भैंस वंशीय पशु मांस बिक्री हेतु ले जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपी शहजाद के कब्जे से 100 किलो भैंस वंशीय मांस बरामद किया। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली रुड़की पर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

लक्सर पुलिस ने ढूंढ निकाले खोए हुए 18 मोबाइल फोन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार पुलिस ने (ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल के माध्यम से) 18 मोबाईल फोन ढूंढ निकाले। इन मोबाइल फोन की कीमत करीब तीन लाख रुपये बतायी गई है। बरामद मोबाईल फोन को हरिद्वार पुलिस ने मोबाईल स्वामियों के सुपुर्द कर दिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा ऑपरेशन रिकवरी के तहत खोए हुये मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु गठित सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देश के क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली लक्सर के कुशल नेत्तृव में पुलिस टीम के द्वारा सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए हुए 18 मोबाइल फोन की रिकवरी की गयी, जिनकी कीमत लगभग (तीन लाख तीन हजार पांच सौ बासठ रुपये) है। खोये हुये मोबाइल फोन उत्तराखण्ड सहित उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली आदि अन्य राज्यों से बरामद किया गया। बरामद मोबाइल फोन को उनके स्वामियों के सुपुर्द किये गये। खोये हुये मोबाइल फोन मिलने पर मोबाइल स्वामियो देश के कई राज्यों से कोतवाली नगर आये और फोन प्राप्त होने पर उनके द्वारा कोतवाली लक्सर पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए धन्यवाद किया गया।

ईरान को भारी नुकसान, 'बड़ी लहर' के हमले बाकी: ट्रंप

वॉशिंगटन/तेहरान। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सुरक्षा बल ईरान को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, लेकिन सैन्य अभियान का सबसे तीव्र चरण अभी शुरू होना बाकी है।

ट्रंप ने सीएनएन को दिये एक साक्षात्कार में कहा कि कार्रवाई 'बहुत प्रभावी' है और अमेरिका अपनी सैन्य शक्ति का उपयोग कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि शुरुआती हमलों में अमेरिका ने राजनीतिक और सैन्य हस्तियां सहित 49 ईरानी नेताओं को समाप्त कर दिया है।

ट्रंप ने कहा कि अगला चरण शीघ्र आने वाला है। उन्होंने इसे 'बिग वेव' करार देते हुए कहा, 'हमने अभी तक उन्हें पूरी ताकत से नहीं मारा है। बड़ी कार्रवाई अभी बाकी है।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ईरान द्वारा बहरीन, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात सहित अरब देशों पर मिसाइल और ड्रोन हमले 'सबसे बड़ा आश्चर्य' रहे। ट्रंप ने संघर्ष की अवधि पर कहा कि वह इसे लंबा नहीं देखना चाहते और उनका अनुमान था कि यह लगभग चार सप्ताह तक चलेगा। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल के साथ समन्वय में किये गये पूर्वव्यापी हमलों का उद्देश्य ईरानी खतरे को निष्क्रिय करना और अमेरिकी बलों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि अमेरिका को आशंका थी कि यदि इजरायल कार्रवाई करता तो ईरान अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमला करता, इसलिए पहले प्रहार किया गया।

रूबियो ने कहा कि अभियान का मुख्य ध्यान ईरान की कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और उसकी नौसेना से उत्पन्न खतरे को समाप्त करना है। अमेरिकी सेना ने इस संघर्ष में छह अमेरिकी सैनिकों की मौत की पुष्टि की है, जबकि ईरानी रेड क्रिसेंट सोसायटी के अनुसार ईरान में 500 से अधिक लोग मारे गये हैं।

अमेरिका में इस कार्रवाई पर राजनीतिक मतभेद स्पष्ट हैं। रिपब्लिकन नेताओं ने श्री ट्रंप के कदम का समर्थन किया है, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता चक श्यूमर ने इसे 'चयनित युद्ध' बताते हुए प्रशासन के बयानों को अपर्याप्त करार दिया।

खामेनेई की मौत पर मोदी को स्पष्ट बोलना चाहिए : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि ईरान में लगातार गंभीर हो रहे हालात और उसके सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई की मौत लक्ष्य कर की गई हत्या है और हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस पर अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा कि युद्ध के कारण जो हालात ईरान तथा अन्य खाड़ी देशों में बन रहे हैं उसे देखते हुए भारत को स्पष्ट नीति का पालन करना चाहिए। उनका कहना था कि ईरान और अमेरिका तथा इजरायल के बीच लगातार बढ़ रहे संघर्ष के कारण खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों के सामने भी अनिश्चितता का संकट पैदा हो गया है।

गांधी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव एक नाजुक क्षेत्र को व्यापक संघर्ष की तरफ धकेल रहा है। इस वजह से खाड़ी देशों में रहने वाले करीब एक करोड़ भारतीयों के साथ ही असंख्य लागों को अनिश्चितता का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को स्वाभाविक बताया लेकिन कहा कि संप्रभुता का उल्लंघन करने वाले हमले संकट को और भी गंभीर बना देंगे। ईरान पर एकतरफा हमलों के साथ ही ईरान द्वारा पश्चिम एशिया के कई देशों पर किए जा रहे हमले, दोनों की निंदा की जानी चाहिए। उनका कहना था कि हिंसा ही हिंसा को जन्म देती है इसलिए संवाद और संयम ही शांति का एकमात्र मार्ग है।

कांग्रेस नेता ने कहा, 'भारत को नैतिक रूप से स्पष्ट होना चाहिए। हमें अंतरराष्ट्रीय कानून और मानव जीवन की रक्षा में खुलकर बोलने का साहस होना चाहिए। हमारी विदेश नीति संप्रभुता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है और इसे सुसंगत रहना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी को बोलना चाहिए। क्या वे विश्व व्यवस्था को परिभाषित करने के तरीके के रूप में किसी राष्ट्राध्यक्ष की हत्या का समर्थन करते हैं। अब चुप्पी भारत की विश्व में प्रतिष्ठा को कम करती है। '

संपादकीय

रंगों का त्योहार, रिश्तों का उत्सव

भारत त्योहारों की भूमि है, जहाँ प्रत्येक पर्व केवल परंपरा नहीं बल्कि सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक होता है। इन्हीं पर्वों में से एक है होली–रंगों, उल्लास और आपसी भाईचारे का अनोखा संगम। फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय, मन के मैल को धोने और रिश्तों में नई ऊर्जा भरने का संदेश देता है।

होली की पौराणिक पृष्ठभूमि हमें सत्य और भक्ति की शक्ति से परिचित कराती है। भक्त प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप की कथा यह बताती है कि अहंकार चाहे कितना भी प्रबल क्यों न हो, अंततः विजय सत्य और आस्था की ही होती है। इसी कारण होलिका दहन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि नकारात्मकता के दहन का प्रतीक है।

रंगों से सजी होली सामाजिक भेदभाव को मिटाने का अवसर भी देती है। इस दिन अमीर-गरीब, जाति-धर्म, ऊँच-नीच की दीवारें स्वतः ही ढह जाती हैं। लोग गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं और 'बुरा न मानो होली है' के भाव के साथ नई शुरुआत करते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में रंग तभी आते हैं जब हम मन के दरवाजे खुले रखें।

हालाँकि आधुनिक समय में होली के स्वरूप में कुछ विकृतियाँ भी देखने को मिलती हैं। रासायनिक रंगों का उपयोग, पानी की अत्यधिक बर्बादी और हुड़दंग जैसी प्रवृत्तियाँ इस पावन पर्व की गरिमा को प्रभावित करती हैं। आवश्यकता है कि हम प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करें, पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखें और मर्यादा के साथ उत्सव मनाएँ।

आज जब समाज विभिन्न प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है–चाहे वह सामाजिक विभाजन हो या मानसिक तनाव–ऐसे में होली जैसे पर्व हमें एकजुट रहने और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। यह केवल रंगों का नहीं, बल्कि विश्वास, प्रेम और समरसता का उत्सव है।

अतः आइए, इस होली पर हम केवल एक-दूसरे को रंग ही न लगाएँ, बल्कि अपने व्यवहार में भी सौहार्द और सद्भाव के रंग भरें। तभी यह पर्व अपने वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

अमेरिका और इजराइल पर भारी पड़ा ईरान?

ईरान पर इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए संयुक्त हमले के तीसरे दिन स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। ईरान के सुप्रीमो लीडर खामेनेई की हत्या के बाद ईरान ने जिस तरह का पलटवार किया है, उससे दुनियां हैरान है। एक ही झटके में 13 देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानो पर ईरान ने हमला कर दिया। अमेरिका के सैन्य ठिकाने धू-धू करके जलने लगे। इन हमलों से मध्य पूर्व के इस्लामी देशों में बढ़ता तनाव एक बार फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में आ गया है। ईरान ने अमेरिका और इजराइल के हमले का जवाब जिस तरह से दिया है, उसे देखते हुए अमेरिका और इजराइल भी हतप्रभ होकर रह गए हैं। पहली बार अमेरिका को पश्चिम एशिया के देशों में तनाव बढ़ने से अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। ईरान की ओर से दावा किया गया है, उसने जवाबी कार्रवाई में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। बहरीन स्थित जुफैर बेस और क़तर के अल उदैद एयरबेस जैसे ठिकानों पर किए गए हमले के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए जिनमें भारी नुकसान की तस्वीरें सामने आई हैं। इसके बाद सारी दुनिया में एक नई हलचल देखने को मिली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने संकेत दिया है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने उसकी मिसाइलों के निशाने पर हैं। दूसरी ओर, क़तर ने दावा किया, पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने संभावित हमलों को विफल कर बड़े नुकसान को रोका है। ऐसे परस्पर विरोधी दावों के बीच वास्तविक स्थिति का सही अंदाजा लगा पाना कठिन है। यह भी चर्चा है कि खाड़ी क्षेत्र के लगभग 13 देशों में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी है। तनाव बढ़ने पर वह भी अप्रत्यक्ष रूप से इस संघर्ष की चपेट में आ सकते हैं। ईरान ने जो फोटो और वीडियो जारी किए हैं उसके अनुसार 13 देशों के ठिकाने धू-धू करके जल रहे हैं। अभी तक स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा ईरान के दावों को सत्यापित नहीं किया गया है। युद्धकालीन माहौल में सूचनाओं का प्रवाह तेज होता है, परंतु सत्यापन की जानकारी जुटाना बहुत मुश्किल होता है। रणनीतिक दृष्टि से देखें, तो ईरान का मुकाबला दो परमाणु-सक्षम अमेरिका और इजराइल से है। इसके बावजूद तेहरान की त्वरित जवाबी क्षमता ने यह साबित कर दिया है। युद्ध के मैदान में सैन्य संतुलन एकतरफा नहीं है। चार दिन में ईरान इस युद्ध में अमेरिका और इजराइल को बराबरी से जवाब देने में सक्षम है। सवाल यह है, क्या यह टकराव सीमित रहेगा या व्यापक वैश्विक युद्ध के रूप में परिवर्तित हो जाएगा? इस युद्ध की शुरुआत से ही कच्चे तेल की आपूर्ति, समुद्री मार्गों को ईरान द्वारा बाधित किए जाने से वैश्विक बाजारों पर इसका प्रभाव पहले ही चार दिनों में बड़े पैमाने पर दिखने लगा है। विशेषज्ञों का मानना है, सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से अधिक महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपाय अपनाने की पहल तुरंत की जानी चाहिए। यदि संवाद के रास्ते नहीं खुले, तो दावों और प्रतिदावों के बीच पूरी दुनिया को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। दुनिया भर के शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का शेयर बाजार एक तरह से क्रेस हो गया है। खाड़ी देशों में भारत का निर्यात-आयात पिछले चार दिनों से एक तरह से बंद हो गया है। लगभग 90 लाख भारतीय खाडी के देशों में काम करते हैं। इसके अलावा दुबई में भी भारतीयों का भारी निवेश है। ईरान जिस तरह से यूएई को निशाना बना रहा है उसके कारण भारत की आर्थिक सामरिक एवं राजनीतिक स्थिति पर चुनौतियां स्पष्ट रूप से दिखने लगी हैं। अमेरिका ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जिस तरह से भारत के शेयर बाजार में निवेशकों को लगभग 8 लाख करोड रुपए का नुकसान 1 दिन में उठाना पड़ा है, वैश्विक व्यवस्था में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति में जो रोक लगी है, सारी दुनिया का आयात और निर्यात व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसको लेकर आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा यह आशंका जताई जा रही है कि यह युद्ध जल्द बंद नहीं हुआ तो सारी दुनिया के देश आर्थिक मंदी के शिकार हो जाएंगे। इसके साथ-साथ तृतीय विश्व युद्ध जैसी स्थितियां बनते देर नहीं लगेंगी। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है भारत स्वयं एक पार्टी बन गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजाराइल दौरे के तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया है। भारत की विदेश नीति में अब भारत का झुकाव अमेरिका और इजराइल की तरफ है। ऐसी स्थिति में भारत के ईरान और खाड़ी देशों के साथ बेहतर संबंध होते हुए भी भारत की मध्यस्थ के रूप में कोई भूमिका सामने नहीं आ रही है। उल्टे इस युद्ध में भारत को युद्ध में शामिल नहीं होते हुए भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खाड़ी के देशों में लगभग 90 लाख से ज्यादा भारतीय नागरिक कार्यरत है उनसे विदेशी मुद्रा भी भारत को मिलती थी अब उनकी जान जोखिम में है। कच्चे तेल और गैस के दामों में जिस तरह की तेजी देखने को मिल रही है, शेयर बाजारों में जिस तरह से गिरावट का दौर देखने को मिल रहा है उससे स्पष्ट हो गया है, इस युद्ध का असर भारत पर सबसे ज्यादा पड़ने वाला है। भारत सरकार को बहुत सजग रहने की जरूरत है।

रक्त, शक्ति और मानवता की पुकार

डॉ. प्रियंका सौरभ

बीसवीं सदी का मध्य मानव इतिहास का एक निर्णायक मोड़ था। जब संयुक्त राज्य अमेरिका ने अगस्त 1945 में जापान के नगर हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए, तब केवल दो नगर नष्ट नहीं हुए, बल्कि पूरी मानव सभ्यता ने अपनी ही निर्मित विनाशकारी शक्ति का भयावह स्वरूप देखा। लाखों लोग तत्काल मारे गए और असंख्य लोग विकिरण के दीर्घकालिक प्रभाव से वर्षों तक पीड़ित रहे। इस घटना ने द्वितीय विश्व युद्ध को समाप्त करने में भूमिका निभाई, किंतु साथ ही यह प्रश्न भी छोड़ गई कि क्या किसी भी परिस्थिति में इतना व्यापक संहार उचित ठहराया जा सकता है।

इसके बाद विश्व राजनीति ने एक नया रूप धारण किया। एक ओर संयुक्त राज्य अमेरिका था और दूसरी ओर सोवियत संघ। वैचारिक संघर्ष ने संसार को दो गुटों में विभाजित कर दिया। इसी पृष्ठभूमि में 1950 से 1953 तक चला कोरियाई युद्ध केवल कोरिया की भूमि का संघर्ष नहीं था, बल्कि दो विचारधाराओं की टकराहट था। इस युद्ध ने कोरियाई प्रायद्वीप को स्थायी रूप से दो भागों में बाँट दिया और असंख्य परिवारों को पीड़ा दी।

इसके कुछ वर्षों बाद 1955 से 1975 तक चला वियतनाम युद्ध विश्व इतिहास के अत्यंत विवादास्पद संघर्षों में गिना जाता है। व्यापक बमवर्षा, रासायनिक पदार्थों का प्रयोग और ग्रामीण अंचलों का विध्वंस इस युद्ध की पहचान बन गए। इस संघर्ष ने न केवल वियतनाम को गहरी क्षति पहुँचाई, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका के भीतर भी व्यापक जनविरोध और नैतिक मंथन को जन्म दिया।

इक्कीसवीं सदी के प्रारंभ में 2003 में आरंभ हुआ इराक युद्ध इस तर्क के साथ प्रारंभ किया गया कि वहाँ व्यापक विनाश के हथियार मौजूद हैं और विश्व सुरक्षा को गंभीर खतरा है। किंतु समय के साथ ऐसे हथियारों के स्पष्ट प्रमाण सामने नहीं आए। परिणामस्वरूप इराक की राजनीतिक संरचना अस्थिर हो गई, सांप्रदायिक हिंसा में वृद्धि हुई और पूरे क्षेत्र में असुरक्षा का वातावरण फैल गया।

2001 से 2021 तक चला अफगानिस्तान का युद्ध आतंकवाद के विरुद्ध अभियान के रूप में प्रारंभ हुआ। उद्देश्य था उन शक्तियों को समाप्त करना जिन्हें वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा माना गया। परंतु दो दशकों के लंबे संघर्ष, भारी आर्थिक व्यय और असंख्य जनहानि के उपरांत भी स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकी। अंततः विदेशी सेनाओं की वापसी के बाद वही संगठन पुनः सत्ता में आ गया जिसे हटाने के लिए यह अभियान आरंभ किया गया था।

मध्य और पश्चिम एशिया में उभरे उग्रवादी संगठन केवल किसी एक राष्ट्र की नीतियों का परिणाम नहीं थे। उनके उदय के पीछे क्षेत्रीय अस्थिरता, धार्मिक कट्टरता, आर्थिक विषमता, बाहरी हस्तक्षेप और सत्ता का रिक्त स्थान जैसे अनेक कारण रहे। फिर भी यह धारणा व्यापक है कि महाशक्तियों की नीतियों और युद्धों ने ऐसी परिस्थितियाँ निर्मित कीं जिनमें उग्रवाद को पनपने का अवसर मिला।

लैटिन अमेरिका के अनेक देशों में भी बीसवीं सदी के दौरान राजनीतिक उथल-पुथल देखी गई। विभिन्न समयों पर बाहरी प्रभावों और गुप्त हस्तक्षेपों के आरोप लगे। कुछ स्थानों पर सैन्य शासन स्थापित हुए, तो कहीं लोकतांत्रिक व्यवस्थाएँ कमजोर पड़ीं। इन घटनाओं ने यह धारणा सुदृढ़ की कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आदर्शों की अपेक्षा सामरिक और आर्थिक हितों को अधिक प्राथमिकता दी जाती है।

तेल, प्राकृतिक संसाधन, व्यापार मार्ग और सामरिक ठिकाने आधुनिक विश्व व्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। आलोचकों का मत है कि कई बार जनतंत्र, मानवाधिकार और शांति की भाषा इन हितों को वैध ठहराने का माध्यम बन जाती है। समर्थकों का तर्क है कि वैश्विक सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध और सहयोगी राष्ट्रों की रक्षा भी समान रूप से आवश्यक चिंताएँ हैं।

सत्य संभवतः इन दोनों दृष्टिकोणों के मध्य स्थित है। किसी भी राष्ट्र की विदेश नीति पूर्णतः नैतिक या पूर्णतः स्वार्थप्रधान नहीं होती; वह परिस्थितियों, आशंकाओं, अवसरों और रणनीतिक विचारों का सम्मिलित परिणाम होती है। फिर भी यह प्रश्न बार-बार उभरता है कि क्या राष्ट्रीय हित की रक्षा के नाम पर व्यापक जनसंहार और दीर्घकालिक अस्थिरता को स्वीकार किया जा सकता है।

जनतंत्र और मानवाधिकार केवल औपचारिक शब्द नहीं होने चाहिए, बल्कि वे ऐसे सार्वभौमिक मूल्य बनें जिनका पालन मित्र और विरोधी–दोनों के प्रति समान रूप से किया जाए। यदि शक्ति का प्रयोग चयनात्मक नैतिकता के आधार पर किया जाएगा, तो विश्व समुदाय में अविश्वास, असंतोष और वैमनस्य की भावना प्रबल होगी। इतिहास यह शिक्षा देता है कि सैन्य विजय स्थायी समाधान प्रदान नहीं करती। स्थायी शांति संवाद, सहयोग, आर्थिक न्याय और सांस्कृतिक सम्मान से ही संभव होती है। किसी भी महाशक्ति की वास्तविक परीक्षा रणभूमि में नहीं, बल्कि इस तथ्य में निहित है कि वह अपनी शक्ति का उपयोग कितनी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ करती है। आज का विश्व अब भी संघर्षों, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा से घिरा हुआ है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अतीत की त्रासदियों से सीख लेकर भविष्य की नीतियों का निर्माण किया जाए। यदि मानव जीवन को सर्वोच्च मूल्य माना जाए और शक्ति को उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तभी एक अधिक न्यायपूर्ण, संतुलित और शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था की कल्पना साकार हो सकती है।

आधुनिक संदर्भों पिता-पुत्र संस्कृति को नया आयाम दे

ललित गर्ग

राष्ट्रीय पुत्र दिवस, जो प्रतिवर्ष 4 मार्च को मनाया जाता है, केवल एक पिता-पुत्र संस्कृति को जीवंतता देने का ही उत्सव नहीं है, बल्कि भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मा को स्पर्श करने वाला अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि पुत्र केवल परिवार की वंश परंपरा का वाहक नहीं, बल्कि संस्कारों, उत्तरदायित्वों और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतिनिधि है। आधुनिक समय में जब संयुक्त परिवार बिखर रहे हैं, पीढ़ियों के बीच संवाद कम हो रहा है और विशेष रूप से पिता और पुत्र के बीच मानसिक दूरी बढ़ती जा रही है, तब यह दिवस एक गहन आत्ममंथन का अवसर बन जाता है। भारतीय चिंतन में पुत्र का अर्थ केवल जन्म से जुड़ा नहीं है। शास्त्रों में कहा गया है- 'पुंनाम्नो नरकाद् यः त्रायते सः पुत्रः' अर्थात जो कुल और संस्कृति को पतन से बचाए वही सच्चा पुत्र है। इस परिभाषा में पुत्र को एक उत्तरदायी व्यक्तित्व के रूप में देखा गया है, जो अपने आचरण से परिवार की मर्यादा और मूल्यों की रक्षा करता है।

हमारे इतिहास और पुराणों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जिन्होंने पुत्र धर्म को सर्वोच्च आदर्श के रूप में स्थापित किया। भगवान श्रीराम का जीवन इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। जब राजा दशरथ ने परिस्थितिवश उन्हें चौदह वर्ष का वनवास दिया, तब श्रीराम ने बिना किसी विरोध, बिना किसी आक्रोश के पिता की आज्ञा को धर्म मानकर स्वीकार किया। यह केवल आज्ञापालन नहीं था, बल्कि परिवार और वचन की मर्यादा को सर्वोपरि रखने का संदेश था। श्रीराम ने यह सिद्ध किया कि अधिकारों से पहले कर्तव्य आते हैं और व्यक्तिगत सुख से ऊपर परिवार की प्रतिष्ठा होती है। आज का युग अधिकारों की चर्चा करता है, परंतु कर्तव्यों का स्मरण कम होता है। यही कारण है कि पिता-पुत्र संबंधों में संवाद का अभाव दिखाई देता है। पिता अक्सर अपने उत्तरदायित्वों की दौड़ में व्यस्त है और पुत्र प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं के दबाव में उलझा हुआ है। दोनों के बीच भावनाओं का पुल कमजोर होता जा रहा है। ऐसे में राष्ट्रीय पुत्र दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम इस दूरी को कम करें। पुत्र को केवल आर्थिक साधन या भौतिक सुविधाएँ नहीं चाहिए, उसे चाहिए समय, स्नेह और समझ। जब पिता अपने पुत्र के साथ बैठकर उसके सपनों, उसके डर, उसकी असफलताओं और उसकी आकांक्षाओं पर खुलकर बात करता है, तब संबंधों में विश्वास का संचार होता है। यही विश्वास भविष्य की मजबूत नींव बनता है।

आधुनिक संदर्भ में पुत्र के सामने चुनौतियाँ भी नई हैं। करियर की अनिश्चितता, सोशल मीडिया का प्रभाव, मानसिक तनाव और मूल्य भ्रम उसे अक्सर द्वंद्व में डाल देते हैं। समाज ने लड़कों से अपेक्षा की है कि वे कठोर बनें, अपनी भावनाएँ न प्रकट करें, हर परिस्थिति में मजबूत दिखें। परिणामस्वरूप कई बार वे भीतर से अकेले और दबावग्रस्त हो जाते हैं। राष्ट्रीय पुत्र दिवस इस मानसिक स्वास्थ्य के विषय को भी छूता है। यह माता-पिता को प्रेरित करता है कि वे अपने पुत्र से पूछें- 'तुम सच में कैसा महसूस कर रहे हो?' यह एक साधारण प्रश्न नहीं, बल्कि संवेदनशीलता की शुरुआत है। जब पुत्र को यह अनुभव होता है कि वह सुना जा रहा है, समझा जा रहा है, तब उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। भारतीय संस्कृति में पिता केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं, बल्कि आदर्श का आधार रहा है। पुत्र वही सीखता है जो वह अपने पिता के आचरण में देखता है। यदि पिता सत्यनिष्ठ है, तो पुत्र में भी सत्य के प्रति सम्मान विकसित होगा। यदि पिता संयमी और धैर्यवान है, तो पुत्र भी वही गुण आत्मसात करेगा। इसलिए पिता की भूमिका केवल निर्देश देने की नहीं, बल्कि उदाहरण प्रस्तुत करने की है। श्रीराम ने केवल दशरथ की आज्ञा का पालन नहीं किया, बल्कि रघुकुल की उस परंपरा को जीवित रखा जिसमें वचन और मर्यादा सर्वोपरि मानी जाती थी। यह परंपरा केवल अतीत की कहानी नहीं, बल्कि वर्तमान की आवश्यकता है। भारतीय लोक-स्मृति में श्रवण कुमार पुत्र धर्म के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उन्होंने अपने नेत्रहीन माता-पिता को कंधों पर बिठाकर तीर्थयात्रा कराते हुए यह सिद्ध किया कि सेवा केवल कर्तव्य नहीं, प्रेम का उत्कर्ष है। आधुनिक युग में यद्यपि परिस्थितियाँ बदल गई हैं, जीवन की गति तेज हो गई है और करियर की चुनौतियाँ अधिक जटिल हो गई हैं, फिर भी श्रवण का आदर्श अप्रासंगिक नहीं हुआ; बल्कि वह और अधिक आवश्यक हो गया है। आज के पुत्र का दायित्व है कि वह माता-पिता के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ा रहे, उनसे संवाद बनाए रखे और उनकी आवश्यकताओं को समझे। सेवा का अर्थ अब केवल शारीरिक श्रम नहीं, बल्कि समय देना, उनकी बात सुनना, उनके एकाकीपन को समझना और उनके आत्मसम्मान की रक्षा करना है। भौतिक आकांक्षाओं की अंधी दौड़ में यदि माता-पिता उपेक्षित हो जाएँ, तो सफलता खोखली हो जाती है। त्याग का अर्थ यह नहीं कि करियर छोड़ दिया जाए, बल्कि यह है कि प्राथमिकताओं में परिवार को स्थान दिया जाए-व्यस्त दिनचर्या में भी नियमित संवाद, स्वास्थ्य का ध्यान, आवश्यक सहयोग और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। आधुनिक पुत्र अपने पेशेवर जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भी पारिवारिक जिम्मेदारियों का संतुलित निर्वाह कर सकता है, यदि वह अपने भीतर यह भाव जागृत रखे कि माता-पिता उसके अस्तित्व की जड़ हैं। जब करियर और कर्तव्य के बीच संतुलन स्थापित होता है, तब श्रवण की सेवा-भावना आधुनिक जीवन में जीवंत हो उठती है और पुत्र धर्म केवल कथा नहीं, व्यवहार बन जाता है। पुत्र की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि वह परिवार से विमुख हो जाए। सच्ची स्वतंत्रता वही है जिसमें व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़ा रहे और अपने मूल्यों का सम्मान करे। पुत्र यदि अपने करियर में सफल होता है परंतु परिवार से दूर हो जाता है, तो वह सफलता अधूरी रह जाती है। परिवार की शक्ति केवल आर्थिक समृद्धि में नहीं, बल्कि भावनात्मक एकता में है। जब पुत्र अपने माता-पिता के त्याग और संघर्ष को समझता है, उनका सम्मान करता है और वृद्धावस्था में उनका सहारा बनता है, तब वह पुत्र धर्म का वास्तविक निर्वाह करता है।

एक नजर

शांति व्यवस्था भंग करने पर तीन गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। रेलवे रोड ज्वालापुर में पेट्रोल डालने को लेकर पेट्रोल पम्प पर हुए विवाद में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक कोतवाली ज्वालापुर क्षेत्रांतर्गत रेलवे रोड पेट्रोल पम्प पर पेट्रोल के कर्मचारी से हुए मामूली विवाद में लड़ झगड़ कर शांति व्यवस्था भंग करने पर तीन अभियुक्तों को धारा 170 बी.एन.एस.एस के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों का चालान अंतर्गत धारा 170/126/135 बी.एन.एस.एस कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। आरोपियों के नाम नवील कुरैशी पुत्र मकसूर निवासी मोहल्ला अहवावनगर कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार, कैफ़ खान पुत्र सहराज खान निवासी मोहल्ला घोसियांन कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार और तौफीक अहमद पुत्र अब्दुल सकुर निवासी मोहल्ला घोसियान कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार है।

ट्रक और कार की आमने–सामने भिड़ंत, मासूम बच्ची सहित दो की मौत ; सात घायल, सभी एमपी के मूल निवासी

आगरा (ईएमएस)। यूपी के आगरा जिले में बाह-फतेहाबाद मार्ग पर मंगलवार तड़के कार और ट्रक में सामने से भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में एक मासूम सहित दो लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आधा घंटे बाद कार को काटकर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार सुबह 4:53 बजे की करीब कार चालक भूरी सिंह पुत्र सरनाम सिंह निवासी अनुपुरा थाना गोहद भिंड, मध्य प्रदेश नोएडा से अपनी पत्नी चंद्रिका, पुत्री अन्यया (11), शिवन्या (7), तनु (5) के अलावा अपने साथी रामकुमार (45) पुत्र बांकेलाल और उनकी पत्नी रेखा (40) व उनके बच्चे सुशांत (11), मनदीप (8) वर्ष के साथ नोएडा से होली के त्योहार पर अपने घर जा रहे थे। जैसे ही मंगलवार सुबह 4:53 बजे के करीब बाह फतेहाबाद मार्ग पर अरनोटा पुल के पास पहुंचे, तो बाह की तरफ से आ रहे ट्रक से कार की आमने-सामने की टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तनु की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार में दूसरी साइड आगे की सीट पर रामकुमार गंभीर रूप से घायल होकर अंदर फंस गए। पुलिस ने कार काटकर जब तक उन्हें बाहर निकाला, तब तक उनकी की भी मौत हो गई। वहीं कार में बैठे सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, डबल डेकर बस और ईको वैन की टक्कर ; छह की मौत और 10 घायल

हाथरस। यूपी के हाथरस जिले की सादाबाद कोतवाली अंतर्गत गांव गढ़ी हरिया के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के करीब चार बजे एक निजी डबल डेकर बस ने एक इको कार में पीछे से टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में इको में सवार 13 लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से मौके पर छह लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंच गए। मृतकों के शव को जिला अस्पताल ले जाया गया है। जबकि घायलों को उपचार के लिए खंदौली थाना क्षेत्र के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक एक निजी डबल डेकर बस दिल्ली से गोरखपुर की तरफ जा रही थी तो इसी दौरान सादाबाद क्षेत्र के गांव गढ़ी हरिया के निकट यमुना एक्सप्रेसवे पर बस ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही इको में सवार लोगों में चीख पुकार मच गई। मौके पर कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हो गया। इको में सवार सभी लोग दिल्ली से राजाखेड़ा राजस्थान की तरफ जा रहे थे। इस हादसे में विजय (30) पुत्र सुखराम बघेल निवासी सुडरई थाना शमशाबाद जनपद आगरा, पिंकी (38) पत्नी विजय निवासी सूट रही थाना शमशाबाद जनपद आगरा, नाथू देवी (65) पत्नी अमर सिंह निवासी रोई खास थाना शमशाबाद जनपद आगरा, दिनेश (55) पुत्र हुकम सिंह निवासी गंगोलिया पुर थाना राजाखेड़ा जनपद धौलपुर राजस्थान, सुनीता (51) पत्नी दिनेश निवासी गंगोलियापुरा थाना राजाखेड़ा जनपद धौलपुर राजस्थान तथा लोकेश (35) पुत्र भूरी सिंह निवासी चमोली घर थाना राजाखेड़ा जनपद धौलपुर की मौत हो गयी।

ईरान–इजराइल जंग के बीच दुबई में फंसे जबलपुर के चार व्यापारी.......मोदी सरकार से लगाई गुहार

जबलपुर (ईएमएस)। ईरान-इजराइल के चलते रद्द हुई उड़ानों से जबलपुर के चार व्यापारी अपने परिवार सहित दुबई में फंस गए हैं। अनिश्चित हालात के चलते उनकी भारत वापसी फिलहाल संभव नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार शहर के व्यापारी शैलेश जैन, प्रशांत विश्वकर्मा, संजय सिंघई और प्रवीण जैन 21 फरवरी को परिवार के साथ दुबई गए थे। सभी को 28 फरवरी को लौटना था। तभी क्षेत्र में तनाव बढ़ने से कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द की गईं, जबकि कुछ को अनिश्चितकाल के लिए टाला गया है। इससे वे वहीं रुकने को मजबूर हैं। दुबई में फंसे व्यापारियों ने दो वीडियो जारी करके अपनी स्थिति बता दी है। उन्होंने कहा कि जिस इलाके में वे रुके हैं, वहां स्थिति अभी सामान्य और सुरक्षित है। हालांकि, एयरपोर्ट का संचालन और फ्लाइट्स फिर से कब सामान्य होंगी, इसकी जानकारी नहीं मिल पा रही है, जिससे चिंता बढ़ गई है। व्यापारियों के मुताबिक लगातार बढ़ते होटल खर्च ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी है। तनावपूर्ण हालात के बीच कई होटलों ने किराया तीन गुना तक बढ़ाया है। लंबे समय तक ठहरने की मजबूरी से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। बच्चों और बुजुर्गों के साथ होने के कारण मानसिक दबाव भी महसूस हो रहा है। फंसे हुए व्यापारियों ने केंद्र सरकार से सुरक्षित वापसी के लिए मदद की गुहार लगाई है।

पतंजलि में विश्व शांति एवं समृद्धि के लिए वासंती नवसस्येष्टि होलीकोत्सव यज्ञ का आयोजन, फूलों से खेली होली

पथ प्रवाह, हरिद्वार। वैश्विक युद्ध संकट और अशांत परिस्थितियों के बीच पतंजलि विश्वविद्यालय के खेल प्रांगण में होली के पावन पर्व पर 'विश्व शांति एवं समृद्धि हेतु वासंती नवसस्येष्टि होलीकोत्सव यज्ञ, भजन एवं पुष्प होली' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव तथा कुलपति आचार्य बालकृष्ण के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष हवन संपन्न हुआ। यज्ञ में युद्ध, हिंसा एवं वैश्विक संकट से पीड़ित निर्दोष, निर्बल और असहायजनों की सुरक्षा, सुख-शांति, अभय जीवन तथा समस्त मानवता के कल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

पूरी दुनिया पर गहराते युद्ध संकट पर स्वामी रामदेव ने कहा कि वर्चस्व हेतु युद्ध नहीं योग चुनें। योग मूलक सिद्धांतों से ही सही दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि युद्ध के बीच योग, आरोग्य, शांति, मानव धर्म, नैतिक, राजनैतिक, लोकतांत्रिक, संवैधानिक मूल्य बोध व साथ ही लालच, घृणा, स्वार्थ, धोखा, क्रोध, प्रतिशोध की ज्वालाएं फूट रही हैं। चयन आपको करना है, लेकिन समाधान केवल योग है। स्वामी रामदेव ने कहा कि होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि भय, द्वेष और नकारात्मकता को त्यागकर प्रेम, करुणा, समरसता और मानवता को अपनाने का पावन अवसर है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी समाज के प्रत्येक वर्ग–गरीब, वंचित, पीड़ित एवं जरूरतमंद–के प्रति संवेदनशील बनें और उन्हें सुरक्षित, सम्मानपूर्ण एवं आनंदमय जीवन प्रदान करने का संकल्प लें।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि होली आत्मशुद्धि, आत्मजागरण और अंतर्मन के विकारों के दहन का पर्व है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भजन-कीर्तन में सहभागिता की तथा पुष्पों एवं प्राकृतिक, हर्बल अबीर-गुलाल से होली खेलकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। किसी भी प्रकार के रासायनिक रंगों का प्रयोग नहीं किया गया, जिससे स्वास्थ्य और प्रकृति दोनों सुरक्षित रहें। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि होली खेलने से पहले अपने शरीर के खुले हिस्सों पर सरसों या नारियल का तेल अथवा कोल्ड क्रीम लगाएँ, इससे रसायनयुक्त हानिकारक रंगों से त्वचा खराब होने की संभावना कम हो जाती है। साथ ही उन्होंने अपनी आँखों को रंगों से बचाने की भी सलाह दी। पुष्पों की सुगंध, वैदिक मंत्रों की ध्वनि, भजनों की मधुर स्वर लहरियों और पुष्प वर्षा के मध्य यह उत्सव शांति प्रार्थना, सद्भाव और मानवता का प्रेरक संदेश देता हुआ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज आदि शैक्षणिक संस्थानों के प्राचार्यगण, शिक्षकगण, विद्यार्थीगण के साथ-साथ पतंजलि संस्थान से सम्बद्ध सभी ईकाइयों के सेवा प्रमुख, ईकाई प्रमुख, विभाग प्रमुख, कर्मचारीगण, संन्यासी भाई व साध्वी बहनें उपस्थित रहे।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल से छह उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर तथा रूस से 'शिटल' मिसाइलों की खरीद के लिए 5083 करोड़ रूपये के अनुबंध किये

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर समुद्री सुरक्षा के बड़ी चुनौती बनकर उभरने के बीच रक्षा मंत्रालय ने समुद्री सुरक्षा को चाक चौबंद करने के लिए कुल 5,083 करोड़ रुपये के दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए हैं जिनमें भारतीय तटरक्षक के लिए छह उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर ए एल एच मार्क-दो (समुद्री भूमिका) तथा नौसेना के लिए सतह से आकाश में मार करने वाली वर्टिकल प्रक्षेपण 'शिटल' मिसाइलों की खरीद शामिल है।

एएलएच हेलिकॉप्टर की खरीद सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से और शिटल मिसाइलों की खरीद रूस से की जायेगी।

इन अनुबंधों पर मंगलवार को रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। एएलएच की खरीद के लिए 2901 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है जबकि मिसाइलों की खरीद के लिए 2,182 करोड़ रुपये का अनुबंध किया गया है। एएलएच के अनुबंध में भूमिका उपकरण, अभियांत्रिकी सहायता पैकेज तथा प्रदर्शन-आधारित लॉजिस्टिक सहयोग शामिल है और यह 'भारतीय (स्वदेशी , विकसित एवं निर्मित)' श्रेणी के अंतर्गत संपन्न किया गया है। ये दो इंजन वाले हेलीकॉप्टर मौजूदा हवाई प्लेटफॉर्मों की तुलना में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त हैं तथा तटीय हवाई अड्डों के साथ-साथ समुद्र में तैनात जहाजों से भी विभिन्न प्रकार के समुद्री सुरक्षा अभियानों को अंजाम देने में सक्षम हैं। इनके तटरक्षक बल में शामिल होने से बल की कृत्रिम द्वीपों, अपतटीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तथा मछुआरों और समुद्री पर्यावरण के संरक्षण संबंधी दायित्वों के निर्वहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस परियोजना के अंतर्गत 200 से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों से उपकरणों की आपूर्ति की जायेगी। यह अनुबंध 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है तथा देश की समुद्री सुरक्षा संरचना को और मजबूत बनाता है। शिटल मिसाइलों की खरीद का अनुंबंध रूस की कंपनी जेएससी रोजोबोरोनेक्सपोर्ट के साथ किया गया है। यह मिसाइल अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों की वायु रक्षा क्षमताओं को विभिन्न प्रकार के हवाई खतरों से निपटने में सुदृढ़ करेगी। यह प्रणाली नौसेना के पोतों पर त्वरित प्रतिक्रिया, सभी मौसम में लक्ष्य भेदन क्षमता तथा चुनौतीपूर्ण समुद्री परिस्थितियों में बेहतर जीवित रहने की क्षमता प्रदान करते हुए स्तरीकृत वायु रक्षा संरचना को सुदृढ़ करेगी। यह अनुबंध भारत और रूस के बीच पारस्परिक विश्वास एवं रणनीतिक सामंजस्य पर आधारित दीर्घकालिक और परिपक्व रक्षा साझेदारी को भी रेखांकित करता है।

अमेरिका-इजरायल हमलों में नतान्ज़ यूरेनियम संवर्धन सुविधा के प्रवेश द्वारों पर हुआ हमलाः आईएईए

तेहरान। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था आईएईए ने मंगलवार को पुष्टि करते हुए कहा कि नतान्ज़ में ईरान के भूमिगत यूरेनियम संवर्धन स्थल के प्रवेश द्वार हाल ही में हुए अमेरिकी-इजरायली सैन्य हमलों में फिर से प्रभावित हुए। इन्हें पिछले वर्ष भी अमेरिकी बमबारी में नुकसान झेलना पड़ा था। भूमिगत ईंधन संवर्धन संयंत्र (एफईपी) ईरान में स्थित तीन यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं में से एक है, जिनके बारे में माना जाता है कि वे उस समय चालू थे जब इजरायल और अमेरिका ने पिछले जून में ईरानी परमाणु स्थलों पर हमला शुरू किया था।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने एक्स पर कहा, 'उपलब्ध नवीनतम उपग्रह चित्रों के आधार पर, आईएईए अब ईरान के भूमिगत नतान्ज़ ईंधन संवर्धन संयंत्र के प्रवेश भवनों को हुए हाल के कुछ नुकसान की पुष्टि कर सकता है। '

इसमें आगे कहा गया, 'किसी भी प्रकार के विकिरण की उम्मीद नहीं है और एफईपी पर कोई अतिरिक्त प्रभाव नहीं देखा गया है, जो जून के संघर्ष में बुरी तरह नष्ट हो गया था।

एजेंसी का आकलन विज्ञान और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थान द्वारा सोमवार को जारी निष्कर्षों से मेल खाता है। रविवार को ईरान द्वारा नतान्ज़ को निशाना बनाए जाने की सूचना देने के बाद, आईएईए ने संकेत दिया कि किसी भी सैन्य कार्रवाई की कोई खास संभावना नहीं है।

अमित शाह की रैली को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने सौंपी जिम्मेदारियां

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय हरिद्वार में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य 7 मार्च 2026 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के हरिद्वार आगमन को लेकर तैयारियों की समीक्षा करना तथा संगठनात्मक जिम्मेदारियों का निर्धारण करना रहा। बैठक का संचालन जिला महामंत्री संजीव चौधरी और हीरा सिंह बिष्ट ने किया। इस दौरान प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह को सफल बनाने हेतु विस्तृत रणनीति पर चर्चा की गई। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि 7 मार्च को हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम प्रदेश सरकार की चार वर्ष की उपलब्धियों पर जनता की मुहर का अवसर होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बीते चार वर्षों में अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिससे उत्तराखंड विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' संकल्प में सक्रिय योगदान दे रहा है। भट्ट ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में

सहभागिता सुनिश्चित करें और बूथ स्तर तक जनसंपर्क अभियान चलाएं।

ऐतिहासिक होगा दौरा: अजेय कुमार

प्रदेश महामंत्री (संगठन) अजेय कुमार ने कहा कि अमित शाह का हरिद्वार दौरा संगठन के लिए ऐतिहासिक सिद्ध होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और बूथ-बूथ जाकर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए लोगों को कार्यक्रम स्थल तक लाने की ठोस कार्ययोजना तैयार करे।

जिम्मेदारी तय करें कार्यकर्ताः त्रिवेंद्र सिंह रावत

पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी कार्यकर्ता अपनी-अपनी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में अधिकाधिक जनसहभागिता सुनिश्चित करना संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री तरुण बंसल ने सभी विधायकों, पूर्व विधायकों और जिला अध्यक्षों से आग्रह किया कि वे अपनी-अपनी विधानसभा क्षेत्रों में मंडल अध्यक्षों एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जनसंपर्क अभियान को तेज करें।

आज से ही शुरू करें तैयारी: आशुतोष शर्मा

भाजपा जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता आज से ही अपनी जिम्मेदारियों के अनुरूप सक्रिय हो जाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमित शाह का हरिद्वार दौरा ऐतिहासिक साबित होगा और इससे संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। बैठक में हरिद्वार विधायक मदन कौशिक, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, रानीपुर विधायक आदेश चौहान, रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा, डोईवाला विधायक बृजभूषण गैरोला, विभिन्न जिलों के अध्यक्ष, महापौर एवं नगर पालिका अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

पिरान कलियर विधानसभा का ऐतिहासिक होली मिलन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

हजारों नागरिकों की सहभागिता, 'फूलों की होली' बनी मुख्य आकर्षण

पथ प्रवाह, रुड़की

पिरान कलियर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित भव्य होली मिलन समारोह सामाजिक सौहार्द, उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के वातावरण में संपन्न हुआ। यह ऐतिहासिक आयोजन ओम ग्रुप आफ कॉलेज (वर्तमान में श्री ओम यूनिवर्सिटी) के विशाल एवं सुसज्जित परिसर में आयोजित किया गया, जहां हजारों की संख्या में क्षेत्रवासियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बना दिया।

कार्यक्रम परम पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी यतींद्रानंद गिरि महाराज की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उनके पावन सान्निध्य ने समारोह को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, प्रेम और भाईचारे का प्रतीक है। यह त्योहार हमें भेदभाव भुलाकर एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

समारोह में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और विभिन्न वर्गों के लोगों को एक मंच पर

लाकर सामाजिक एकता को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए पिरान कलियर के समग्र विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के संयोजक मुनीश कुमार सैनी (अध्यक्ष, श्री ओम विश्वविद्यालय, रुड़की; सह-प्रभारी, ओबीसी मोर्चा, भाजपा उत्तर प्रदेश) ने सभी अतिथियों एवं नागरिकों का स्वागत करते हुए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा हरिद्वार की जिला अध्यक्ष डॉ. मधु सैनी सहित विभिन्न मंडल अध्यक्षों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र से आए युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। विश्वविद्यालय परिसर को आकर्षक पुष्प सज्जा और रंगीन व्यवस्थाओं से सजाया गया था, जिससे वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो उठा। समारोह का मुख्य आकर्षण 'फूलों की होली' रहा। उपस्थित जनसमूह ने एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा कर प्रेम, सौहार्द एवं सामाजिक एकता का संदेश दिया। ढोल-नगाड़ों की धुन और उल्लासपूर्ण माहौल के बीच पूरा परिसर रंगों और उमंग से सराबोर दिखाई दिया।

कार्यक्रम के दौरान समाज में शांति, सद्भाव और विकास के संकल्प को दोहराया गया। वक्ताओं ने क्षेत्र की प्रगति, युवाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने पर बल दिया। समारोह का समापन राष्ट्र की उन्नति, क्षेत्र की समृद्धि एवं सामाजिक एकता की मंगलकामनाओं के साथ हुआ। आयोजन की सफलता में आयोजक मंडल, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों का सराहनीय योगदान रहा। यह भव्य आयोजन पिरान कलियर विधानसभा की सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बनकर लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा।

एक नजर

कांग्रेस ने असम विधानसभा के लिए जारी की 42 उम्मीदवारों की पहली सूची , गौरव गोगोई जोरहाट से लड़ेंगे चुनाव

गुवाहाटी। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए 42 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। लोकसभा में विपक्ष के उपनेता और जोरहाट से सांसद गौरव गोगोई, जोरहाट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। अभिजीत पॉल को सिलचर से, इंद्रनील पेगु को माजुली से और मीरा बोरठाकुर गोस्वामी को दिसपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। रिपुन बोरा बरचल्ला से चुनाव मैदान में होंगे।

असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव मार्च-अप्रैल में होने की संभावना है। वर्तमान विधानसभा में भाजपा के 64 सदस्य हैं, जबकि उसके सहयोगियों असम गण परिषद के 9, यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल के 7 और बोडोलैंड पीपल्स फ्रंट के 3 सदस्य हैं। विपक्ष में कांग्रेस के 26 विधायक, एआईयूडीएफ के 15 और सीपीआई (एम) का 1 विधायक है। एक निर्दलीय विधायक भी है।

साल 2021 के असम विधानसभा चुनाव में, सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 75 सीटों के साथ सत्ता बरकरार रखी थी, जो राज्य में पहली बार किसी गैर-कांग्रेसी गठबंधन की लगातार दूसरी जीत थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाले महाजोत गठबंधन ने 50 सीटें जीतीं, जो 2016 में उसकी 26 सीटों की तुलना में अधिक थीं।

चरस तस्करी का भंडाफोड़, पुलिस ने 1.348 किग्रा चरस के साथ युवक दबोचा

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

होली पर्व के मद्देनज़र चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान उत्तरकाशी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना मोरी पुलिस टीम ने होली की आड़ में चरस की तस्करी कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किलो 348 ग्राम अवैध चरस बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 2.70 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय के निर्देशन में त्योहार के दौरान अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और अनैतिक गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सभी पुलिस अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखते हुए जनपदभर में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार के निकट पर्यवेक्षण एवं थानाध्यक्ष मोरी दीपक रावत के नेतृत्व में विगत रात्रि मोरी क्षेत्र के बागी मौताड़ बैंड के पास चेकिंग के दौरान वाहन संख्या च 14TA 2710 (स्विफ्ट डिजायर) को रोका गया। तलाशी लेने पर वाहन सवार आयुष ठाकुर (22 वर्ष) पुत्र नारायण सिंह, निवासी मेहूंवाला, विकासनगर

(देहरादून) के कब्जे से 1 किलो 348 ग्राम चरस बरामद की गई। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध थाना मोरी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/60 के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पूछताछ में बताया कि होली के दौरान नशीले पदार्थों की बढ़ती मांग को देखते हुए वह चरस को देहरादून क्षेत्र में बेचने की फिराक में था। अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस टीम की सराहना करते हुए 2500 रुपये का पुरस्कार घोषित किया गया है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष मोरी दीपक रावत, उपनिरीक्षक भगतराम नौटियाल तथा कांस्टेबल अरविंद असवाल, सत्यपाल, गणेश राणा और अनिल तोमर शामिल रहे।

एसपी कमलेश उपाध्याय ने बताया कि होली के पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद में पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी गई है तथा अंतर्राज्यीय और अंतरजनपदीय बैरियरों पर सघन चेकिंग की जा रही है। त्योहार की आड़ में अवैध गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

एक नजर

अविमुक्तेश्वरानंद का योगी सरकार से सवाल....बताएं यूपी में गायों की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी कैसे आई

बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं?

वाराणसी। उत्तरप्रदेश के काशी में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के गौ-माता को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि एक तरफ योगी सरकार गौ-रक्षा की बात करती है, दूसरी तरफ गौ-तस्करों से चंदा लेती है। यूपी में गायों की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी आई है। डिप्टी सीएम मौर्य बताएं ऐसा क्यों है?

शंकराचार्य ने कहा कि 7 मार्च से 'शंखनाद यात्रा' की शुरुआत होगी। जौनपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, उन्नाव होकर 12 मार्च को लखनऊ पहुंचेगी। जहां पर गौ-प्रतिष्ठा ध्वज स्थापना और गौ-माता की रक्षा के लिए धर्मयुद्ध के शंखनाद का कार्यक्रम प्रस्तावित है। डिप्टी सीएम मौर्य की बात पर उन्होंने कहा, यह सही बात है कि भारत का नागरिक देश में कहीं भी आने-जाने के लिए स्वतंत्र है। इसमें उन्होंने न कुछ गलत कहा है। न ही कोई अतिशयोक्ति की है। जहां तक सनातन धर्म का सवाल है, कोई भी सनातन धर्मी अपने गुरु के आगमन पर स्वागत करता है, यह हमारी परंपरा है। यह विचारणीय विषय है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि पिछली जनगणना में यूपी में गायों की संख्या में 4 प्रतिशत की कमी आई है। अगर प्रदेश में गाय को खरोंच तक नहीं लगती, तब यह 4 प्रतिशत कमी कैसे हुई? यह कोई निजी आंकड़ा नहीं है, बल्कि सरकारी डेटा है। योगी सरकार को इसका स्पष्ट उत्तर देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया अगर कहा जा रहा है कि गौ-हत्या करने वालों की कोई औकात नहीं है, तब फिर बीफ एक्सपोर्ट से जुड़ी कंपनियां सत्तारूढ़ दल को चंदा क्यों दे रही हैं? उनका उद्देश्य क्या है? यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। इन सवालों का जवाब प्रदेश के मुखिया को देना चाहिए।

एक बार बिहार का सीएम बन जाऊं................तब राज्य को वैश्विक पहचान दिला दूंगा

एक इंटरव्यू में बिहार की राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य पर बोले पप्पू यादव

पटना। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने एक इंटरव्यू में बिहार की राजनीति, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। सांसद पप्पू यादव ने कहा कि यदि उन्हें एक बार बिहार का मुख्यमंत्री बनने का मौका मिले, तब वे राज्य को वैश्विक पहचान दिला सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री बनने के तीन महीने के भीतर सभी निजी अस्पतालों और निजी स्कूलों का सरकारीकरण कर दूंगा, ताकि आम लोगों को सस्ती और बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

वहीं बाबाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति व्यापार और अपराध में लिप्त हो, उस शख्स को बाबा नहीं माना जा सकता। इसी कड़ी में उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री पर निशाना साधते हुए उन्हें 'महा बंदर' तक कह दिया और सवाल उठाया कि कुछ बाबाओं के पास करोड़ों की संपत्ति कहां से आती है।

वहीं भोजपुरी गानों में अश्लीलता और डीजे पर संभावित प्रतिबंध के मुद्दे पर पप्पू यादव ने कहा कि यदि सरकार गंभीर है, तब सबसे पहले भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके अधिकांश गाने अश्लील होते हैं और भाजपा क्या उन पर बैन लगाने का साहस दिखाएगी। उन्होंने कहा कि कलाकारों के आचरण पर भी सवाल उठते रहे हैं। राजनीतिक नेतृत्व को लेकर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बीमार हैं और उनके बेटे निशांत को राजनीति में आना चाहिए, क्योंकि उसमें मुख्यमंत्री बनने के गुण हैं। साथ ही उन्होंने आरसीपी सिंह और प्रशांत किशोर को पार्टी में बैक सपोर्ट में लाने की बात कही।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें योगी आदित्यनाथ ज्यादा पसंद हैं या नीतीश कुमार, तब उन्होंने स्पष्ट कहा कि मौजूदा समय में नीतीश से बेहतर कोई नहीं है। इसके अलावा, नीट मामले में उन्होंने नीतिश सरकार की घेराबंदी करते हुए कहा कि सीबीआई ने पटना सिविल कोर्ट में लिखा है कि पुलिस आवश्यक कागजात उपलब्ध नहीं करा रही है और इस मामले में बड़े लोग शामिल हैं। उन्होंने पीड़िता को न्याय दिलाने का भरोसा भी जताया।

अजमेर में दो दिन तक मनाया जा रहा होली का त्यौहार

अजमेर। रंगों का पर्व होली इस बार राजस्थान के अजमेर में दो दिन तक मनाया जा रहा है। तिथि को लेकर बने असमंजस के बावजूद अजमेर शहर में आज सुबह से ही होली का रंग चढ़ता दिखा। शहर की कॉलोनियों, मोहल्लों और प्रमुख सड़कों पर बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। सुबह होते ही बच्चों ने पिचकारियां संभाल लीं, वहीं युवाओं की टोलियां डीजे की धुन पर रंग-गुलाल उड़ाती नजर आईं। कई जगहों पर गुलाल टैंक से रंगों की बारिश की गई, जिससे पूरा वातावरण गुलाबी और केसरिया रंग में रंग गया। घरों की छतों और गलियों में भी लोगों ने एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। होली की तिथि को लेकर इस बार कुछ कन्फ्यूजन बना रहा, जिसके चलते कई लोगों ने आज रंग खेला तो कई कल भी होली खेलने की तैयारी में हैं। हालांकि इस असमंजस का त्योहार के उत्साह पर कोई असर नहीं पड़ा और सुबह से ही शहर में होली का माहौल साफ नजर आया। प्रशासन की ओर से भी शहर में शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। कुल मिलाकर अजमेर में होली का रंग पूरे शबाब पर है और आज व कल दो दिन तक रंगों की यह फुहार जारी रहने की संभावना है।

जोधपुर में धूमधाम से मनाया गया धुलंडी का पर्व...........लेकिन चर्चा के केंद्र रही कड़ाई होली

जोधपुर (ईएमएस)। राजस्थान के जोधपुर में मंगलवार को धुलंडी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। रंग, अबीर गुलाल लगाते युवा पानी की बौछारों के बीच खूब झूमे नाचते दिखाई दिए। शहर के लोग एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर होली की खुशियां बांटते नजर आए। लोगों ने एक-दूसरे को घर-घर जाकर शुभकामनाएं भी दी। होली के त्यौहार में युवाओं की टीम सबसे आगे नजर आई। हुरियारों की टीम ने एक दूसरे पर जमकर रंग उड़ाया। शहर में चहुंऔर होली का उल्लास नजर आ रहा है। धुलंडी पर लोगों ने जमकर रंग और गुलाल से होली खेली, तब गेरियों ने बच्चों की ढूंढ करवाकर नृत्य किया। इस अवसर पर विदेशी पर्यटकों ने भी देसी पर्यटकों और लोगों के साथ होली खेलकर उन्हें शुभकामनाएं दी। जोधपुर के उम्मेद चौक पुरबीयों का मोहल्ला में होली धूमधाम से मनाई गई। दरअसल, यहां चौक में कड़ाई रखकर उसमें पानी भर दिया जाता है। फिर आपस में एक-एक करके सभी को उस पानी में डालते हैं और होली की शुभकामनाएं देते हैं। मोहल्ला समिति के अध्यक्ष शिव सिंह ने बताया कि यह परंपरा यहां पीढ़ियों से चली आ रही है। कड़ाई की होली जोधपुर में बहुत कम जगह खेली जाती है। यहां मोहल्लावासियों ने वर्षों से अनोखी परंपरा को बनाए रखा है। अब युवा पीढ़ी इस सालों पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रही है जिससे भाईचारा बना रहे। कार्यक्रम संयोजक देवेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि सभी मोहल्लेवासी मिलकर आपसी सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन करते हैं।

तनाव पर सतर्क उत्तराखंड सरकार, सभी एजेंसियां अलर्ट मोड पर : पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

ईरान और इजरायल के बीच जारी तनावपूर्ण स्थिति को लेकर उत्तराखंड सरकार पूरी तरह सतर्क है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया है कि राज्य की सभी संबंधित एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और हालात पर लगातार नजर बनाए रखी जा रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार दिल्ली स्थित गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और केंद्र सरकार के अन्य संबंधित विभागों के साथ निरंतर संपर्क में है। उन्होंने बताया कि जैसे ही केंद्र सरकार या प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कोई दिशा-निर्देश प्राप्त होगा, राज्य सरकार तत्काल उसी अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करेगी।

पुष्कर धामी ने कहा कि यदि ईरान या इजरायल में उत्तराखंड के नागरिक फंसे हैं, तो उनकी सुरक्षित और व्यवस्थित वापसी के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। राज्य सरकार द्वारा वहां मौजूद लोगों से लगातार संपर्क साधकर उनकी स्थिति की जानकारी ली जा रही है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि उत्तराखंड सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार के समन्वय से सभी जरूरी कदम समय पर उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'ईरान और इजरायल के बीच जो स्थिति बनी हुई है, उस पर हमारी पूरी नजर है। उत्तराखंड की सभी संबंधित एजेंसियों को अलर्ट रखा गया है। केंद्र सरकार, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से लगातार संपर्क में हैं। जैसे ही कोई दिशा-निर्देश प्राप्त होगा, उसी के अनुरूप तत्काल कार्रवाई की जाएगी। यदि हमारे प्रदेश के लोग वहां फंसे हैं, तो उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। '

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने होली पर सभी देश एवं प्रदेशवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

रंगों के पावन पर्व होली के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि एकता, प्रेम और सद्भाव का जीवंत संदेश है। यह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक पर्व है, जो समाज को आपसी भाईचारे और सौहार्द के सूत्र में पिरोता है।

उन्होंने कहा कि होली का यह पावन अवसर सभी के जीवन में सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य के रंग भर दे। यह पर्व हर्ष, उल्लास और नई ऊर्जा का संचार करता है तथा हमें सकारात्मक सोच और नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि होली बुराई पर अच्छाई की विजय तथा वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। यह पर्व हमें करुणा, दया और सद्भाव के साथ अपने विचारों और कर्मों को रंगने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने महान राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए आशा और विश्वास के साथ कार्य करना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि होली सनातन संस्कृति की सुंदर अभिव्यक्ति है, जिसमें हर आयु वर्ग के लोग सहभागिता करते हैं। यह पर्व भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाने के साथ-साथ विभिन्न समुदायों के बीच एकजुटता, भाईचारे और उत्साह की भावना को भी सशक्त करता है।

अंत में सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सभी से आह्वान किया कि इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर भारत माता की संतानों के जीवन में प्रगति, समृद्धि और खुशियों के रंग भरने का संकल्प लें तथा सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली का उत्सव मनाएं।

खाड़ी युद्ध ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र को दिया झटका, एलएनजी में कटौती, बढ़ रही परिवहन लागत

नयी दिल्ली। भारत और विश्व ऊर्जा बाजार पर पश्चिम एशिया के तनाव का प्रभाव साफ नजर आने लगा है, क्योंकि ईरान और अमेरिका-इजरायल संघर्ष ने तेल, गैस और शिपिंग की आपूर्ति में बड़े व्यवधान पैदा किये हैं।

देश की ऊर्जा कंपनियां अब तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति में कटौती और कीमतों में वृद्धि के लिए तैयार हैं, जो भारी मशीनरी, उर्वरक और पेट्रो केमिकल प्लांट सहित कई उद्योगों में ईंधन का काम आती है। इस बीच खाड़ी में स्थिति के कारण समुद्री मार्गों पर भी गंभीर व्यवधान आ रहे हैं।

भारत के एलएनजी आपूर्ति के बड़े स्रोत कतर ने रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित अपनी प्रमुख एलएनजी सुविधाओं को बंद कर दिया है। कतर की यह बंदी विश्व के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातक के उत्पादन को रोक देती है और गैस की कीमतों को तेजी से बढ़ा सकती है। यह फैसले ईरान के ड्रोन हमलों के बाद लिये गये हैं, जिनके कारण रास लाफान और मेसाइद औद्योगिक क्षेत्रों की उत्पादन गतिविधियां रुक गयी हैं।

भारत जैसे बड़े एलएनजी आयातक देश पर इसका सीधा असर दिख रहा है। कतर तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे खाड़ी देशों से एलएनजी आयात पर निर्भरता के कारण उपयोगकर्ता कंपनियों को आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण गैस आपूर्ति में कटौती कर दी गयी है और पेट्रोनेट एलएनजी तथा अन्य आयातक कम्पनियों ने ग्राहक इकाइयों को सीमित आपूर्ति की सूचना दी है।

साथ ही, संकट की दूसरी बड़ी वजह तेल की कीमतों में उछाल है। खाड़ी के तनाव के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गयी है और कुछ बाजारों में यह 82 डॉलर तक पहुंच चुकी है। इससे तेल की बढ़ती आयात लागत से भारत के घरेलू ईंधन की कीमतों एवं मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ सकता है।

महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज़ जलडमरूमध्य से व्यापार की वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस तो इस मार्ग से आती ही है, साथ ही भारत का करीब 60 प्रतिशत एलएनजी तथा लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। इससे होने वाले व्यवधान से पोतवहन, लागत, बीमा प्रीमियम और परिवहन दरों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जो ऊर्जा आपूर्ति की लागत को और बढ़ा सकती है।

विश्लेषक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संघर्ष लंबा रहा, तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब या उससे ऊपर तक बढ़ सकती हैं, जिससे अर्थव्यवस्था पर और बड़ा दबाव पड़ेगा।

भारत ने खाड़ी संकट के समय आंशिक बचाव की उम्मीद में पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा आपूर्ति को विविध करने के प्रयास किये हैं। रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदना, अमेरिका तथा अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से आपूर्ति में वृद्धि करना इसमें शामिल है। इसके बावजूद वैश्विक ऊर्जा बाजार की अस्थिरता के मुकाबले चुनौतियां बरकरार हैं।

केबिनेट मंत्री धन सिंह रावत ने किया 254.41 लाख से ढौंर-सकन्याणा तल्ला मोटर मार्ग का शिलान्यास

जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर मरीजों का जाना हालचाल

पथ प्रवाह, पौड़ी:

उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने 254.41 लाख रुपये की लागत से ढौर-सकन्याणा तल्ला मोटर मार्ग के डामरीकरण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। तत्पश्चात उन्होंने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि यह सड़क लंबे समय से क्षेत्र की आवश्यकता रही है। मार्ग के डामरीकरण से ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क सुविधा से गांवों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और विकास की प्रक्रिया को नयी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता के हित में निरंतर कार्य कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता है। सड़क सुदृढ़ीकरण से स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, किसानों को अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचाने में आसानी होगी तथा विद्यार्थियों को स्कूल और महाविद्यालयों तक पहुंचने में सुविधा मिलेगी। मंत्री ने कहा कि

सड़क की बेहतर स्थिति का सीधा लाभ स्वास्थ्य सेवाओं को भी मिलेगा। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाया जा सकेगा, जिससे अमूल्य जीवन की रक्षा संभव होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि हर नागरिक को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है और भविष्य में भी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके उपरांत मंत्री ने जिला चिकित्सालय पौड़ी का निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना तथा डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों से उपचार व्यवस्था एवं उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए। इस दौरान उन्होंने थलीसैंण में हुई सड़क दुर्घटना में घायल मरीजों से भी मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने चिकित्सकों को सभी घायलों के समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक नजर

पटना में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं के साथ खेली होली

पटना। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पटना में कार्यकर्ताओं के साथ धूमधाम से होली मनाई। एक कार्यक्रम में वे 'पटना में राम खेले होली' गीत पर झूमते दिखाई दिए। उन्होंने मंच से फूल बरसाए, तालियां बजाई और समर्थकों का उत्साह बढ़ाया। मंच के नीचे खड़ी महिलाओं ने उनसे फोटो खिंचवाने का आग्रह किया, तब उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि मोबाइल दीजिए, मैं ऊपर से ही फोटो खींच देता हूं। उन्होंने कहा कि होली के दिन भाषण नहीं, बल्कि गीत-संगीत का आनंद लेना चाहिए। कार्यक्रम में बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और दिलीप जायसवाल भी मौजूद रहे। करीब 15-20 मिनट बाद नितिन नवीन कार्यक्रम से रवाना हो गए, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने कुर्ता फाड़ होली खेली और जमकर नृत्य किया। बिहार में होलिका दहन के साथ ही होली की धूम शुरू हो चुकी है। पूर्णिया में लगभग 40 फीट ऊंची होलिका का दहन किया गया। छुट्टियों के कारण ट्रेनों में भारी भीड़ देखी जा रही है। जनरल कोच फुल होने पर यात्री स्लीपर और एसी कोच में भी सफर कर रहे हैं। भीड़ को देखते हुए पूर्व मध्य रेल ने दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी सहित 10 राज्यों के लिए 42 होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। साथ ही 150 अतिरिक्त बसें भी चलाई जाएंगी। होली को लेकर पूरे बिहार में पुलिस अलर्ट पर है। डीजे और अश्लील गानों पर प्रतिबंध लगाया गया है। हुड़दंग, अफवाह फैलाने और सड़क पर रेसिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अतिरिक्त पुलिस बल, होमगार्ड और केंद्रीय बलों की तैनाती कर 24 घंटे मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है।

इसरो का वैज्ञानिक बताकर महिला से शादी का झांसा देकर 42.64 लाख रुपये की ठगी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे के वाकड इलाके में ऑनलाइन शादी करने की साइट के माध्यम से एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 42.64 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी जयेश पाटिल ने खुद को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का वैज्ञानिक बताकर शादी का झांसा देकर महिला का विश्वास जीत लिया। 28 साल की पीड़िता, जो हिंजवड़ी स्थित एक प्रतिष्ठित आईटी कंपनी में कार्यरत है, ने नवंबर 2024 में वेबसाइट पर अपनी प्रोफाइल बनाई थी। तभी आरोपी ने महिला से संपर्क कर शादी की इच्छा जाहिर की। जाँच में पता चला कि आरोपी ने धीरे-धीरे महिला का भरोसा जीता और भविष्य में साथ रहने तथा संपत्ति खरीदने के बहाने पैसों की मांग शुरू की। नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच पीड़िता ने अलग-अलग किस्तों में कुल 42.64 लाख रुपये उसके खातों में ट्रांसफर कर दिए। महिला को तब शक हुआ जब उसने पाया कि आरोपी वास्तव में इसरो में कार्यरत नहीं है।

वाकड पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर 16.65 लाख रुपये फ्रीज कर बरामद किए, जबकि करीब 27 लाख रुपये की तलाश जारी है। आरोपी की पहचान जयेश पाटिल उर्फ आदर्श म्हात्रे, निवासी अलीबाग (रायगढ़) के रूप में हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वह पहले भी इसी तरह के एक अन्य ठगी मामले में नवी मुंबई पुलिस द्वारा गिरफ्तार हो चुका है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि वह मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म पर शिक्षित महिलाओं को निशाना बनाता था और ठगी की रकम से गोवा में कैसिनो समेत विलासी जीवन जी रहा था। अभी आरोपी 4 मार्च तक नवी मुंबई पुलिस की हिरासत में है। रिमांड खत्म होने के बाद वाकड पुलिस उसे अपने कब्जे में लेकर आगे की पूछताछ करेगी। घटना ने ऑनलाइन डेटिंग और मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म पर सावधानी बरतने की जरूरत पर फिर से जोर दिया है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से जाएंगे राज्यसभा....9 प्रत्याशियों के नाम तय किए

राज्यसभा चुनाव में पार्टी की ओर से संगठन को मिला महत्व

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। बीजेपी पार्टी ने बिहार, असम, छत्तीसगढ़, हरियाणा, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से कुल 9 प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए हैं। बीजेपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए टिकट वितरण में संगठन में मजबूत पकड़ रखने वाले नेताओं को महत्व दिया है। बता दें कि देश के 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है। नामांकन की आखिरी तारीख 5 मार्च है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार से राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार बने हैं। नवीन पटना के बांकीपुर से पांच बार विधायक हैं और बिहार की राजनीति में मजबूत पहचान है। पश्चिम बंगाल से बीजेपी ने राहुल सिन्हा को उम्मीदवार बनाया है, जो राज्य में पार्टी के प्रमुख चेहरों में शुमार हैं। युवा नेता शिवेश कुमार को भी बीजेपी ने बिहार से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। बिहार में 5 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। वहीं, शिवेश राम 2024 का लोकसभा चुनाव सासाराम से लड़े थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वे कांग्रेस प्रत्याशी से हार गए थे। बीजेपी ने इस बार सवर्ण और दलित का कॉम्बिनेशन बनाया है। दोनों भाजपाई हैं। दोनों के पिता ने भी बीजेपी से लंबी राजनीति की है। यानि की पार्टी की तरफ से एक बार फिर से संगठन को तवज्जो दिया है। बीजेपी की ओर से जारी राज्यसभा उम्मीदवारों की लिस्ट के बाद राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के राज्यसभा जाने की संभावनाएं फिलहाल कम होती दिख रही हैं।

वहीं असम से पार्टी ने तेराश गोवाला और जोगेन मोहन को मैदान में उतारा है। दोनों नेता राज्य की राजनीति में अहम भूमिका निभा चुके हैं। असम में तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। ओडिशा से मनमोहन समल और सुजीत कुमार को बीजेपी ने टिकट दिया है। ओडिशा में बीजेपी सरकार होने से पार्टी की स्थिति मजबूत मानी जा रही है।

वहीं भगवा पार्टी ने छत्तीसगढ़ से लक्ष्मी वर्मा को प्रत्याशी बनाया है। वे भाजपा महिला मोर्चा में सक्रिय रही हैं और सामाजिक कार्यों के लिए जानी जाती है। छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटें खाली हो रही हैं। वहीं हरियाणा से संजय भाटिया को टिकट मिला है, जो प्रशासनिक पृष्ठभूमि से आते हैं और पार्टी संगठन में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। हरियाणा में भी दो राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं।

असम में टूरिज्म पुलिसिंग का नया मॉडल तैयार

राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय और असम पुलिस ने 155 अफसरों को दी हाई-टेक ट्रेनिंग

गुवाहाटी। रीजनल ट्रैवल सेक्टर की सेफ्टी और सिक्योरिटी को मज़बूत करने के एक ज़रूरी कदम में, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (RRU) ने असम सरकार के साथ मिलकर, टूरिज्म पुलिसिंग को मॉडर्न बनाने के लिए 155 पुलिस ऑफिसर्स के लिए एक स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा किया है। लचित बरफुकन पुलिस एकेडमी में, 32 डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ़ पुलिस और 123 सब-इंस्पेक्टर्स के एक स्पेशलाइज़्ड ग्रुप ने इंटरनेशनल स्मार्ट पुलिसिंग बेंचमार्क के हिसाब से स्टेट सिक्योरिटी को मॉडर्न बनाने के लिए डिज़ाइन की गई कड़ी ट्रेनिंग पूरी की। करिकुलम को मॉडर्न टूरिज्म के कई तरह के नेचर को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया था, जिसमें लीगल सख्ती को सॉफ्ट स्किल्स और टेक्नोलॉजिकल काबिलियत के साथ मिलाया गया था। ऑफिसर्स को ज़रूरी कानूनी फ्रेमवर्क पर ट्रेनिंग मिली, जिसमें फॉरेनर्स एक्ट, टूरिस्ट राइट्स और भारतीय न्याय संहिता (BNS) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) के तहत नए प्रोविज़न शामिल हैं। कानूनी बातों के अलावा, प्रोग्राम में इंटरनेशनल और डोमेस्टिक ट्रैवलर्स के लिए मदद को आसान बनाने के लिए ड्रून-इनेबल्ड टूल्स और एप्लिकेशन्स को इंटीग्रेट किया गया, जिससे यह पक्का हुआ कि असम पुलिस इस फील्ड में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए फ्यूचरिस्टिक स्किल्स से लैस है। ट्रेनिंग प्रोग्राम में पारंपरिक पुलिसिंग के तरीकों से आगे बढ़ने के लिए मॉडर्न टीचिंग टेक्नीक्स का इस्तेमाल किया गया। पार्टिसिपेंट्स ने अलग-अलग माहौल में टूरिस्ट सेफ्टी को मैनेज करने की खास चुनौतियों के लिए तैयारी करने के लिए इंटरैक्टिव, सिनेरियो-बेस्ड डिस्कशन, रोल-प्लेइंग एक्सरसाइज और कॉम्प्लेक्स केस सिमुलेशन में हिस्सा लिया। सेशन में स्ट्रेस मैनेजमेंट, न्यूट्रिशनल स्ट्रेटेजी और पुलिसिंग के साइकोलॉजिकल पहलुओं को भी कवर किया गया ताकि यह पक्का हो सके कि ऑफिसर्स हाई-प्रेशर टूरिस्ट ज़ोन में मज़बूत बने रहें। ट्रेनिंग में कल्चरल सेंसिटिविटी, कॉन्फ्लिक्ट सॉल्यूशन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स पर ज़ोर दिया गया, जिससे यह पक्का हुआ कि 155 ग्रेजुएट्स कड़े सेफ्टी प्रोटोकॉल बनाए रखते हुए राज्य के लिए एंबेसडर के तौर पर काम करने के लिए तैयार हैं।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा (उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com